प्रयत्नायतमानस्तु योगी संप्रुद्धिकित्विषः । ग्रनेकजन्मसंसिद्धस्ततो याति परा गितां ॥ ४५॥ तपस्विभ्यो पिको योगी ज्ञानिभ्यो पि मतो पिकः । कर्मिभ्यश्चाधिको योगी तस्मायोगी भवार्जुन ॥ ४६॥ योगिनामपि सर्वेषां मद्गतेनात्तरात्मना । श्रद्धावान् भजते यो मां समे युक्ततमो मतः ॥ ४०॥

इति श्रीभगवद्गीतासूपनिषत्मु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृत्तार्जुनसंवादे ग्रात्मसंयमयोगो नाम षष्ठो उध्यायः ॥ ६॥

to The Property Property

म देश मान्य माना निर्माण माना माना माना माना माना है। है। । साम्य प्राम्य क्रिक्ट स्थान स्थान स्थान स्थान ।

II 18 II FOREST STREET STREET THEFTHE

ा ५८ मा मेग्निय होता स्वाह स्थान में कार 11 ५८ मा केग्निय स्वाह स्थान में स्थान स्थान स्थान

I HART DEFENDED THE THE DEPT

i is the the time of the

H 10 H FFFFF TOTH PETERS

ा ४८ मा निर्मानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक मिन्ना । भारत योगस्य बाज्यसम्बद्धानिक स्थानिक सिन्ना